nt>

Title: Regarding closure of National Textile Corporation (NTC) and British India Corporation.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : नेशनल टैक्सटाइल कॉरपोरेशन और ब्रिटिश इंडिया कॉरपोरेशन की तमाम यूनिटों की तरफ मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृट करना चाहता हूं। यह दुर्भाग्य का विाय है कि उत्तर प्रदेश में एनटीसी और बीआईसी की जितनी मिलें थी, लाख कोशिश करने के बाद भी वस्त्र मंत्रालय उन मिलों को चालू करने के लिए राजी नहीं हुआ और इससे सबसे ज्यादा प्रभावित कानपुर शहर की एनटीसी की चार मिलें और बीआईसी की तीन मिलें पूरी तरह से लगभग बंद हो चुकी हैं। मैंने कई बार सदन में यह प्रश्न उठाया था जिसमें वस्त्र मंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि बीआईसी की एक यूनिट को हर हाल में चालू करेंगे। उनके पास एनटीसी के वर्कर्स का एक प्रस्ताव आया था कि आप अपनी एनटीसी की सारी सम्पत्ति को बेच दीजिए। केवल एनटीसी की एक मिल को चला दीजिए और सारे वर्कर्स उस मिल को चलाएंगे और उसके बाद लाभ करके सरकार को देंगे और लाभ यदि अर्जित नहीं कर पाएंगे तो सरकार उसे बंद कर देगी। यह प्र ास्ताव वर्कर्स की तरफ से वस्त्र मंत्रालय को आया था। माननीय वस्त्र मंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि हम इस प्रस्ताव पर सहानुभूति पूर्वक विचार करके कोई न कोई उचित निर्णय लेंगे। आज दुर्भाग्य की बात है कि न बीआईसी मिल को चलाने के लिए कोई निर्णय लिया गया जिसकी घोाणा की गई थी, न उस मिल को चलाया गया और एनटीसी के संबंध में जो वर्कर्स का प्रस्ताव आया था, उसके संबंध में भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। तीसरी सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि माननीय वस्त्र मंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि एनटीसी और बीआईसी की जो भी सम्पत्तियां बेची जाएंगी, यह खुलेआम बाजार में नीलामी द्वारा बेची जाएंगी और आज एनटीसी और बीआईसी की तमाम सम्पत्तियां गुपचुप तरीके से मशीनें, जमीनें वगैरह बेची जा रही हैं। उनकी खुलेआम नीलामी नही की जा रही है। इसलिए मैं मांग करता हूं कि इस तरीके का जो व्यवहार भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय की तरफ से हो रहा है कि अरबों की जमीनें कोड़ियों में बेची जा रही हैं, करोड़ों की सम्पत्तियां और मशीनें लाखों में बेची जा रही हैं, उस पर रोक लगाई जाए। सारी नीलामी खुलेआम बाजार में हो, आम बोली लगाकर लोग लें और बीआईसी की एक मिल जैसा कि वस्त्र मंत्री जी ने आश्वासन दिया था, उसे तुरंत चालू किया जाए। एनटीसी की एक मिल चलाने के लिए जो वर्कर्स का प्रस्ताव आया था, उस पर सहानुभूति पूर्वक विचार करके शीघ्र वस्त्र मंत्रालय निर्णय लेने की कोशिश करे। धन्यवाद।